**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग**
**डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय**
**पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५**

**बुलेटिन संख्या-१७**
**दिनांक-शुक्रवार,१ मार्च,२०१६**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.८ एवं १३.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ६४ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.८ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १७.५ एवं दोपहर में २६.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १२.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

**(२ से ६ मार्च,२०१६)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २ से ६ मार्च,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में अगले २-३ दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। हलाकि उसके बाद आसमान में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल बन सकते है, जिसके प्रभाव से ५-६ मार्च को उत्तर बिहार के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बुंदा-बुंदी हो सकती है।
- अधिकतम तापमान २३ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ११ से १३ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ५-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चल सकती है। हालाकि ५ मार्च में कहीं-कहीं पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई है। जिसकी वजह से खेतों में प्रयाप्त नमी आ गयी है। किसान भाई इसका फायदा उठाते हुए खेत की एक हल्की जुताई कर गरमा फसलों की बुआई करे। गेहूँ, मक्का, प्याज, हरा चारा आदि फसलों में यूरिया उर्वरक की उचित मात्रा का उपरिवेशन करें।
- पूवानुमानित अवधि में अगले २-३ दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए सरसों की तैयार फसल की कटनी, दौनी एवं सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर समपन्न करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा व नेनुआ आदि की बुआई अविलंब करें। विगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में निकाई-गुड़ाई करें। कीट एवं रोग-व्याधि की निरन्तर निगरानी करते रहें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १५-२० टन गोबर की खाद, ५० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १, २, ३, ४ एवं शक्तिमान ५ किस्में अनुशंसित है। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। कजला कीट से प्रभावित क्षेत्रों के किसान क्लोरपाईरीफॉस २.० लीटर मात्रा २५-३० किलोग्राम बालू में मिलाकर खेत की जुताई में समान रुप से भुड़काव कर बुआई करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जिन कृषक-बंधु का खेत बुआई के लिए तैयार है वे विगत वर्षा से मिट्टी में आई उपयुक्त नमी का फायदा उठाते हुए बुआई कर सकते है। बुआई के पूर्व २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलो ग्राम स्फूर, २० किलो ग्राम पोटाश तथा २० किलो ग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। **मूंग** के लिए *पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना* तथा **उरद** के लिए *पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा* किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30x10 से०मी० रखें।
- सुर्यमुखी की बुआई १० मार्च तक संपन्न कर लें। खेत की जुताई में १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०-९० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- शकरकन्द की रोपनी अविलम्ब संपन्न करे। खेत की जुताई के समय प्रति हेक्टेयर १०-१५ टन गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ६० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। शकरकन्द की क्रास- ४ तथा राजेन्द्र शकरकन्द- ३५ किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं।
- पशुपालक भाई हरा चारा के लिए अगाती ज्वार की बुआई करे। इसकी स्वीट ज्वार (मल्टीकट) या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी की फसल जरुर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करे।
- प्याज में खर-पतवार निकालें। प्याज में कीट एवं रोग-व्याधि का निरीक्षण करें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः २२.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.१ डिग्री कम | आज का न्यूनतम तापमानः ९.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री कम |

**(डॉ० ए. सत्तार)**
**नोडल पदाधिकारी**